

जाना- आगे न बढ़ना पुं. (फा.) संसार, जहान, लोक प्रयो. जहाँगर्द- घुमक्कड़, जहाँ गर्दी- विश्वधमण; जहाँगीर- विश्वविजयी।

जहाँआरा वि. (फा.) संसार को शोभित करने वाला।

जहाँगीर पुं. (फा.) मुगल सम्राट अकबर का पुत्र।

जहाँगीरी वि. (फा.) 1. एक प्रकार का जड़ाऊ गहना 2. इमरती (मिठाई)।

जहाँपनाह पुं. (अर.) 1. संसार का रक्षक 2. शरणागतरक्षक 3. राजा के लिए संबोधन।

जहाज पुं. (अर.) बहुत बड़ी नाव, पोत।

जहाजरानी पुं. (फा.) 1. जहाज चलाने का व्यवसाय 2. जहाज चलाना।

जहाजी वि. (फा.) जहाज से संबंधित।

जहान पुं. (फा.) लोक, जगत प्रयो. जान है तो जहान है।

जहानक पुं. (तत्.) प्रलय।

जहालत स्त्री. (अर.) अज्ञान, मूर्खता।

जहीन वि. (अर.) बुद्धिमान, समझदार।

जहूदी वि. (फा.) बाप-दादा की जायदाद।

जहेज पुं. (अर.) दहेज, वह धन संपत्ति जो कन्या के विवाह में पिता की ओर से वर को दी जाती है।

जह्न पुं. (अर.) विष, जहर।

जह्नु पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. एक राजर्षि का नाम।

जह्नु कन्या स्त्री. (तत्.) गंगा।

जह्नु तन्या स्त्री. (तत्.) गंगा।

जह्नु सुता स्त्री. (तत्.) गंगा।

जाइदा पुं. (तद्.) जना हुआ, जात।

जांगल पुं. (तद्.) 1. तीतर 2. मांस 3. वह देश जहाँ जल बरसता है, गरमी अधिक पड़ती है वि. (तद्.) जंगल संबंधी, जंगली।

जांगलू वि. (फा.) गँवार, जंगली।

जांतव वि. (तत्.) जंतुसंबंधी, जंतुओं से प्राप्त/उत्पन्न।

जांधिक पुं. (तद्.) 1. ऊँट 2. एक प्रकार का मृग 3. हरकारा।

जांबवंत पुं. (तत्.) दे. जांबवान।

जांबवती पुं. (तत्.) जांबवान की कन्या जिससे श्री कृष्ण ने विवाह किया था।

जांबवत् पुं. (तद्.) दे. जांबवान।

जांबवान पुं. (तद्.) सुग्रीव के मंत्री का नाम जो ब्रह्मा का पुत्र माना जाता है।

जांबवी स्त्री. (तद्.) 1. जांबवान की पुत्री 2. नाग दमनी।

जांबीर पुं. (तत्.) जंबीरी नींबू।

जांबुक वि. (तत्.) जंबुक संबंधी।

जांबुमाली पुं. (तत्.) लंका का एक राक्षस जो अशोक वाटिका को उजाड़ते समय हनुमान द्वारा मारा गया था।

जांबूनद पुं. (तत्.) सोना, धतूरा।

जांबोष्ठ पुं. (तत्.) एक प्रकार का अस्त्र जिससे फोड़े आदि जलाए जाते थे।

जांभील पुं. (तत्.) 1. घुटने के जोड़ पर गोल चिपटी हड्डी 2. जंबीरी नींबू।

जाँगड़िया पुं. (देश.) दे. जाँगड़ा।

जाँगर पुं. (संकर.) 1. शरीर, देह 2. हाथ पैर 3. पौरुष।

जाँघ स्त्री. (तद्.) घुटने और कमर के बीच का अंग, उरु।

जाँघा पुं. (देश.) 1. हक 2. कुएँ पर गड़ा रखने का खंभा।

जाँघिया पुं. (देश.) लंगोट की तरह का जाँघ को ढकने का वस्त्र, कच्छा।

जाँधिलत पुं. (तद्.) वह बैल जिसका पैर चलने में लचक खाता है वि. जिसका पैर लचक खाता है